श्री शिवकृपानंद स्वामी

'समर्पण भवन', एरु - अब्रामा रोड, गाँधी स्मृति स्टेशन के पास (पश्चिम), एरु,
जिल्ला - नवसारी, गुजरात - 396450, भारत. फोन : 02637 - 324755 / 09328810888
Website : www.samarpanmeditation.org

।। वसुधैव कुटुंबकम्।।

21.5.2020

गुरुवार का संदेश।

सभी पुण्यआत्माओ को मेरा नमस्कार - - -
मेरी साधना काल मे जब मै हिमालय मे रहता था तब वहाँ जब भी बडा तुफान आता था तो सारा दृश्य ही बाद मे बदल जाता था जहाँ पहले पहाड रहते थे वहाँ तालाब बनजाता था जहाँ पहले तालाब थे वहाँ बडा सा बर्फ का पहाड हो जाता था. कई पेड तो बर्फ के बने पहाड के निचे ही चले जाते थे। याने सारा आसपास का परिवेश ही बदल जाता था। वर्तमान काल मे भी कुछ ऐसी ही परिस्थीतीया बन रही है, एक "नवयुग" का प्रांरभ हो रहा है।

श्री शिवकृपानंद स्वामी

' समर्पण भवन ' , एरु - अब्रामा रोड, गाँधी स्मृति स्टेशन के पास (पश्चिम), एरु,
जिल्ला - नवसारी, गुजरात - 396450, भारत. फोन : 02637 - 324755 / 09328810888
Website : www.samarpanmeditation.org

।। वसुधैव कुटुंबकम् ।।

(२)

यह आने वाला "नवयुग" तो करोना महामारी के बाद का युग होगा। इस "नवयुग" मे विश्वभर सामाजिक मान्यताऐ बदल जायेगी सामाजिक शिष्टाचार बदल जायेगे सुरक्षा की स्वास्थ की मान्यता व मापदंड बदल जायेगा मनुष्य के व्यवहार बदल जायेगा कई नये पहाड के "शिखर" उभरकर आ जायेगा तो कई बडे बडे पहाड भी ढह जायेगा।

मनुष्य मे भी शारीरीक व मानसीक बदलाव आयेगाँ। मानसीक बदलाव आप इस समय अगर सकारात्मक सोच रखते है, तो वह सकारात्मक आयेगाँ और नकारात्मक सोच रखते है, तो नकारात्मक आयेगा। यह समय आपकी मानसीक स्थिती की दिशा को तय करने वाला महत्वपुर्ण समय चल रहा है, यह बात आप समझीये और सदैव ही सकारात्मक सोचीये यह एक संधी काल ही है,

श्री शिवकृपानंद स्वामी

' समर्पण भवन ' , एरु - अब्रामा रोड, गाँधी स्मृति स्टेशन के पास (पश्चिम), एरु,
जिल्ला - नवसारी, गुजरात - 396450, भारत. फोन : 02637 - 324755 / 09328810888
Website : www.samarpanmeditation.org

।। वसुधैव कुटुंबकम् ।।

मनुष्य के भितर की मनुष्यता मानवजाती को मीला प्रकृती का एक उपहार ही है. उस-उपहार के का कारण ही मनुष्य प्रकृती के साथ जुडा हुआ होता है,

और जब मनुष्यो मे मनुष्यता की कमी होने-लगती है, तो प्रकृती का इस प्रकार का प्रकोप होता ही है. प्रकृती के प्रकोप के कारण अलग अलग होते ही रहते है. लेकीन प्रकृती का-उद्देश एक ही होता है. मनुष्यो के भीतर की "मनुष्यता" जगाना आने वाले "नवयुग" मे प्रवेश करने के पुर्व हमे शारीरीक व मानसीक-रुप से तैयार करने का यह "समय" है. इस समय को व्यर्थ मत गंवाओ यह समय फिर आपके जिवनकाल मे कभी भी आने-वाला नही है. यह समय तो एक मापदंड-बन जायेगा- करोना महामारी के पहले का "समय" और बाद का "समय" ऐसा विभाजन समय काल का होने वाला है. यह तो विश्वस्तर पर होगा-

श्री शिवकृपानंद स्वामी

' समर्पण भवन ' , एरु - अब्रामा रोड, गाँधी स्मृति स्टेशन के पास (पश्चिम), एरु,
जिल्ला - नवसारी, गुजरात - 396450, भारत. फोन : 02637 - 324755 / 09328810888
Website : www.samarpanmeditation.org

।। वसुधैव कुटुंबकम् ।।

(4)

वर्तमान के समय का उपयोग आपने कैसा किया है। उस पर आपका भवीष्य निर्भर होनेवाला है।

क्योंकी भवीष्य मे आनेवाला विश्व बदला हुआ होगा। मनुष्य बदले हुये होंगे समाज बदला हुआ होगा। समाज के नियम भी बदले हुये होंगे ऐसी सभी बदलाव को आपको तभी स्विकार करते आयेगा "अब आप मानसीक रुप मे परिपक्व व सशक्त होंगे। इन बदलाव को बस परिस्थीती के अनुसार बदलाव के रुप मे ही देखना होगा" "बस आप इस बदलाव के लीये तैयार रहे।"

आप सभी अपने परिवार का ध्यान रखे. अपना स्वंयम का भी ध्यान रखे आप सभी को खुब खुब आशिर्वाद

आपका अपना
बापास्वामी
21/5/2020